

पद १३७

(रागः पिलु जिल्हा - तालः दादरा)

उठ मिल भरत प्रभु घर आये । अठरा पद्म वानर बड़े सिरस कपी ।
मारुतसुत संग लाये ॥१॥ रावन मारे बिभीखन तारे । तापर छत्र
धराये ॥२॥ अयोध्या नगर के नारी नर सब । घर घर आनंद
बधाये ॥३॥ मानिक के प्रभु सिया संग लाये । लछमन चौर
डुलाये ॥४॥